



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 21, 1977/साध 1, 1898

No. 1] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 21, 1977/MAGHA 1, 1898

इस भाग में भिन्न-वृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

NOTIFICATION

Bombay, the 21st January 1977

AMENDMENTS TO THE LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA (STAFF) REGULATIONS, 1960

No. 65(28)-Ins.III/1/76.—In exercise of the powers conferred by clauses (b) and (bb) of sub-section (2) of sec. 49 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) the Life Insurance Corporation of India, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following Regulations further to amend the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960, namely:—

1. (1) These Regulations may be called the Life Insurance Corporation of India (Staff) Amendment Regulations, 1977.

(2) They shall come into force on the date of publication in the Gazette.

2. In the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960—

(1) In Regulation 19,—

(a) In sub-regulation (1), for the words and figures “the appointing authority may direct such employee to retire on completion of 55 years of age or at any time thereafter if his efficiency is found to have

been impaired", the words and figures "the competent authority may, if it is of the opinion that it is in the interest of the Corporation to do so, direct such employee to retire on completion of 55 years of age or at any time thereafter, on giving him three months notice or salary in lieu thereof", shall be substituted

(b) In Sub-regulation (2)—

(i) In the opening paragraph, for the words and figures "but the appointing authority may at its discretion extend his service for one year at a time upto 60 years of age. The appointing authority may, however, direct an employee to retire on completion of 55 years of age or at any time thereafter, if his efficiency is found to have been impaired" the words and figures "but the competent authority may, if it is of the opinion that it is in the interest of the Corporation to do so, direct such employee to retire on completion of 50 years of age or at any time thereafter, on giving him three months notice or salary in lieu thereof", shall be substituted.

(ii) Explanation 1 and Explanation 2 shall be renumbered respectively as Explanation 2 and Explanation 3 and before Explanation 2 as so renumbered, the following Explanation shall be inserted namely—

"Explanation 1—Where an employee is directed by the competent authority to retire as aforesaid, it shall not be deemed to be a penalty under Regulation 39 or any other provision"

(2) In Schedule IV, before the existing entry against Regulation 19, the following entry shall be inserted, namely—

19. To direct an employee to retire on completion of 55 years of age or 50 years of age, as the case may be

M D In respect of employees belonging to Classes II, III & IV and employees in Class I in the cadre of AAO/ABM and AO/BM and equivalent cadres

Appointing Authority

In other cases

S. RANGARAJAN,
Managing Director.

भारतीय जीवन बीमा निगम

अधिसूचना

बम्बई, 21 जनवरी, 1977

भारतीय जीवन बीमा निगम कर्मचारी-वर्ग विनियम 1960 में संशोधन

सं. 65 (28)-आई एन एल-III/1/76.—भारतीय जीवन बीमा निगम, जीवन बीमा अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 49 की उप-धारा (2) के (ख) और (खख) खंडों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी-वर्ग) विनियम, 1960 को और संशोधित करने के लिए इसके द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, जैसे —

1. (1) ये विनियम भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी-वर्ग) संशोधन विनियम, 1977 कहे जा सकते हैं।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू हो जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी-वर्ग) विनियम, 1960 में—

(1) विनियम 19 में—

(क) उप-विनियम (1) में, “ऐसे कर्मचारी को दक्षता में कमी पाने पर नियुक्ति प्राधिकारी उसे 55 वर्ष की आयु पूरी हो जाने या उसके बाद किसी भी समय सेवा निवृत्त होने का निदेश दे सकता है” के स्थान पर “यदि सक्षम प्राधिकारी का यह मत हो कि ऐसा करना निगम के हित में है तो वह ऐसे कर्मचारी को 55 वर्ष आयु पूरी हो जाने या उसके बाद किसी भी समय तीन मास का नोटिस या उसके बदले का वेतन देकर सेवानिवृत्त होने का निदेश दे सकता है” शब्द और श्रृंखला रखे जाएंगे।

(ख) उप-विनियम (2) में—

(i) प्रारम्भिक पैरा में, “किन्तु नियुक्ति प्राधिकारी अपने विवेक से उसकी सेवा एक बार में एक वर्ष बढ़ा कर 60 वर्ष की आयु तक बढ़ा सकता है। फिर भी यदि ऐसे कर्मचारी की दक्षता में कमी पाई गई हो तो नियुक्ति प्राधिकारी उसे 55 वर्ष की आयु पूरी हो जाने या उसके बाद किसी भी समय सेवानिवृत्त होने का निदेश दे सकता है” के स्थान पर “किन्तु यदि सक्षम प्राधिकारी का यह मत हो कि ऐसा करना निगम के हित में है तो वह ऐसे कर्मचारी को 50 वर्ष की आयु पूरी हो जाने या उसके बाद किसी भी समय तीन मास का नोटिस या उसके बदले का वेतन देकर सेवा निवृत्त होने का निदेश दे सकता है” शब्द और श्रृंखला रखे जाएंगे।

(ii) स्पष्टीकरण 1 और 2 का पुनरांकन क्रमशः स्पष्टीकरण 2 और 3 हो जाएगा और इस प्रकार पुनर्गठित स्पष्टीकरण 2 के पहले निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, जैसे —

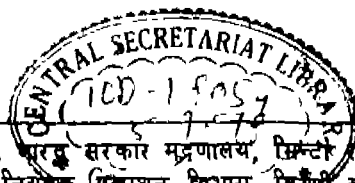
“स्पष्टीकरण 1 —जब सक्षम प्राधिकारी द्वारा कर्मचारी को, [जैसे पहले कहा गया है, सेवानिवृत्त होने का निदेश दिया जाए तो इसे विनियम 39 अथवा अन्य किसी प्रावधान के अंतर्गत कोई दण्ड (पैनल्टी) नहीं माना जाएगा।”

(2) अनुसूची 4 में, विनियम 19 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के पहले निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, जैसे—

19 कर्मचारी को 55 वर्ष की आयु या 50 वर्ष की आयु, जैसा भी मामला हो, पूरी हो जाने पर सेवानिवृत्त होने के लिए निदेश देना। एम० डी० क्लास II, III व IV के कर्मचारियों व ए०/ ए० ओ०/ए० डी० एम० और ए० आ०/ बी० एम० के सबर्गो या समकक्ष संवर्गों में क्लास I के कर्मचारियों के संबंध में।

नियुक्ति
अधिकारी

अन्य मामलों में



श्री रंगराजन,
प्रबंध निदेशक।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिंटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन, विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

